पाठ 6

1. शुरुआत क्या है?

-शुरुआत बहुत समय पहले की है जब परमेशवर ने सब कुछ बनाया था।

2. शुरुआत में, दुनिया में जो कुछ भी है, उसे किसने बनाया?

-परमेशवर।

3. परमेशवर द्वारा सब कुछ बनाने से पहले दुनिया में क्या था?

-कुछ नहीं।

4. अगर दुनिया में कुछ भी नहीं था, तो परमेशवर ने सब कुछ बनाने के लिए क्या इस्तेमाल किया?

-कुछ नहीं।

5. फिर परमेशवर ने दुनिया कैसे बनाई?

-परमेशवर ने दुनिया को कुछ नहीं से बनाया है।

6. परमेशवर कैसे कुछ भी नहीं से सब कुछ बनाने में सक्षम था?

-परमेशवर सर्व शक्तिशाली हैं।

-परमेशवर की शक्ति कभी समाप्त नहीं होती।

-परमेशवर की शक्ति शाश्वत है।

7. क्या परमेशवर की शक्ति की कोई सीमा है?

-नहीं।

8. क्या शैतान या उसके राक्षस या लोग से अधिक शक्तिशाली हैं? परमेशवर?

-नहीं।

9. क्या किसी ने परमेशवर को सब कुछ बनाना सिखाया?

-नहीं।

10. किसी ने परमेशवर को क्यों नहीं सिखाया?

-क्योंकि शुरुआत में परमेशवर को सिखाने वाला कोई और नहीं था।

-साथ ही, परमेश्वर को उसे सिखाने के लिए किसी की आवश्यकता नहीं है।

11. क्या परमेश्वर की बुद्धि की कोई सीमा है?

-नहीं।

12. क्या कोई परमेशवर से ज्यादा बुद्धिमान है?

-नहीं।

-शुरुआत में, परमेशवर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया।

-आइए पढ़ें कि परमेशवर ने सब कुछ बनाने से पहले पृथ्वी कैसी थी।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:1-2

1-शुरुआत में, परमेशवर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया।

2-अब पृथ्वी निराकार और खाली थी, गहराइयों की सतह पर अँधेरा छा गया था।

-परमेशवर ने इसे बनाने से पहले दुनिया कैसी थी?

-शुरुआत में रोशनी नहीं थी।

-शुरुआत में पूरी धरती पर अँधेरा छा गया।

-क्या आप इसे पसंद करेंगे यदि दिन में धूप न हो?

-नहीं।

- अगर रात में चांदनी न होती तो क्या आप इसे पसंद करते?

-नहीं।

-क्या यह भयानक होगा यदि पृथ्वी पर प्रकाश न हो?

-हां।

-आप एक दूसरे को नहीं देख पाएंगे।

-आप अपनी फसल लगाते हुए नहीं देख पाएंगे।

-आप अपने घर बनाते हुए नहीं देख पाएंगे।

-शुरुआत में रोशनी नहीं थी।

-शुरुआत में सूखी जमीन भी नहीं थी।

-शुरुआत में पानी ने पूरी धरती को ढक लिया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:2

2-अन्धकार की सतह पर अन्धकार छा गया था, और परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मँडरा रहा था।

-शुरुआत में धरती पर जीवन नहीं था।

-लेकिन वहाँ परमेश्वर पवित्र आत्मा था।

-परमेश्वर पवित्र आत्मा सब कुछ बनाने के लिए अपना काम शुरू करने की प्रतीक्षा कर रहा था।

-क्या आपको याद है कि केवल एक ही परमेशवर है, लेकिन तीन व्यक्ति हैं जो एक परमेशवर हैं?

-परमेशवर पिता , परमेशवर पुत्र और परमेशवर पवित्र आत्मा ने मिलकर सब कुछ बनाया।

-शुरुआत में परमेशवर ने पहला दिन क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:3

3- और परमेश्वर ने कहा, "प्रकाश हो," और प्रकाश था।

-पहले दिन परमेशवर ने प्रकाश बनाया।

-परमेशवर ने पहले दिन प्रकाश कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सिर्फ बोलकर रोशनी पैदा की।

-क्या परमेशवर के अलावा कोई सिर्फ बोलकर रोशनी पैदा कर सकता है?

-नहीं।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-एक रात, आप बिना रोशनी के झाड़ी में बाहर हैं।

-चांदनी या तारे की रोशनी नहीं है।

-यह बहुत काला है, और आप कुछ भी नहीं देख सकते हैं।

-क्या आप बस बोल सकते हैं, "प्रकाश होने दो," और प्रकाश आएगा?

-नहीं।

-परमेशवर, हालांकि, बस बोले, और प्रकाश बनाया गया।

-परमेशवर ने प्रकाश कैसे बनाया, यह कैसे जाना?

-परमेशवर सब कुछ जानता है।

-ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेशवर नहीं जानता।

-क्या परमेशवर के लिए प्रकाश बनाना मुश्किल था?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि परमेशवर सर्वशक्तिमान है।

-क्योंकि ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेशवर नहीं कर सकता।

-परमेश्वर ने उस प्रकाश के बारे में क्या सोचा जो उसने बनाया था?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:4

4-परमेशवर ने देखा कि प्रकाश अच्छा था।

-परमेशवर ने जो प्रकाश बनाया वह अच्छा था।

-ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेशवर परिपूर्ण हैं।

-ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर जो कुछ भी करता है वह संपूर्ण होता है।

-पुरुष घर बनाते हैं, लेकिन कभी-कभी छत टपकती है।

-महिलाएं बर्तन बनाती हैं, लेकिन कभी-कभी बर्तन टूट जाते हैं।

-लेकिन परमेशवर ने सब कुछ सही बनाया।

-क्यों?

-क्योंकि परमेशवर पूर्ण है।

-प्रकाश बनाने के बाद परमेशवर ने क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:4-5

4-परमेशवर ने प्रकाश को अंधेरे से अलग किया।

5-परमेशवर ने प्रकाश को "दिन" और अन्धकार को "रात" कहा। और शाम थी, और सुबह थी-पहला दिन।

-जब परमेशवर ने प्रकाश बनाया, तो परमेशवर ने सभी अंधेरे को दूर नहीं किया।

-परमेशवर ने रात होने के लिए कुछ अंधेरा छोड़ दिया।

-क्या होगा अगर परमेशवर ने कोई अंधेरा नहीं छोड़ा?

-हम सो नहीं पाएंगे।

-परमेशवर ने कुछ अंधेरा छोड़ दिया ताकि हम सो सकें।

-परमेशवर जो कुछ भी करता है वह सिद्ध होता है।

-दूसरे दिन परमेशवर ने क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:6-8

6-परमेश्वर ने कहा, जल के बीच में ऐसा फासला हो कि जल से जल अलग हो जाए।

7-इस प्रकार परमेश्वर ने खाई को बनाया और उसके नीचे के जल को उसके ऊपर के जल से अलग कर दिया। और ऐसा था।

8-परमेश्वर ने विस्तार को "आकाश" कहा। और शाम थी, और सुबह थी - दूसरा दिन।

-दूसरे दिन परमेशवर ने आकाश बनाया।

-दूसरे दिन परमेशवर ने आकाश कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सिर्फ बोलकर ही आकाश बनाया है।

-क्या परमेशवर के लिए आकाश बनाना कठिन था?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि परमेशवर सर्वशक्तिमान है।

-क्योंकि ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेशवर नहीं कर सकता।

-परमेशवर ने पृथ्वी को ढकने वाले पानी को कैसे अलग किया?

-परमेशवर ने पृथ्वी से कुछ पानी आकाश के ऊपर रखा।

-परमेशवर ने शेष पानी को पृथ्वी पर छोड़ दिया।

-तीसरे दिन परमेशवर ने क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:9-10

9-परमेश्वर ने कहा, “आकाश के नीचे का जल एक स्थान पर इकट्ठा हो जाए, और सूखी भूमि दिखाई दे,” और वैसा ही हो गया।

10-और परमेश्वर ने सूखी भूमि को "प्रथ्वी" और एकत्रित जल को "समुद्र" कहा। और परमेशवर ने देखा कि यह अच्छा था।

-तीसरे दिन परमेशवर ने सूखी जमीन बनाई।

-किसने पानी को पीछे हटने की आज्ञा दी ताकि सूखी जमीन दिखाई दे?

-परमेशवर।

-परमेशवर पानी को वापस जाने की आज्ञा क्यों दे सकते हैं, और पानी को आज्ञा का पालन करना चाहिए?

-क्योंकि परमेशवर ने पानी बनाया है।

-यदि कोई व्यक्ति नदी के पास आता है, तो क्या वह नदी को वापस जाने की आज्ञा दे पाएगा ताकि वह पार कर सके?

-नहीं।

-तीसरे दिन परमेशवर ने और क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:11-13

11-तब परमेश्वर ने कहा, उस भूमि पर वनस्पतियां, बीजवाले पौधे और वृक्ष उत्पन्न हों, जिन में बीज के साथ-साथ उनके नाना प्रकार के फल भी हों। और ऐसा था।

12-भूमि से वनस्पति उत्पन्न होती है-पौधे अपनी जाति के अनुसार बीज देते हैं और वृक्ष अपनी जाति के अनुसार बीज वाले फल देते हैं। और परमेशवर ने देखा कि यह अच्छा था।

13-और सांझ हुई, और भोर हुई-तीसरा दिन।

-तीसरे दिन परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को भी बनाया।

-परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को सिर्फ बोलकर बनाया है।

-क्या परमेशवर के लिए पौधे और पेड़ बनाना मुश्किल था?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि परमेशवर सर्वशक्तिमान है।

-क्योंकि ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेशवर नहीं कर सकता।

-परमेशवर ने कितने अलग-अलग पौधे और पेड़ बनाए हैं?

-इससे ज्यादा कोई गिन सकता है।

-परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को क्यों बनाया?

-क्या परमेशवर को जीने के लिए पौधों और पेड़ों की जरूरत है?

-नहीं।

-परमेशवर ने सभी पौधे और पेड़ किसके लिए बनाए हैं?

-परमेशवर ने उन्हें हम लोगों के लिए बनाया है।

-परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को क्यों बनाया?

-क्योंकि परमेशवर हमसे बहुत प्यार करते हैं।

-अगर पेड़ न होते तो क्या आप घर बना पाते?

-नहीं।

-परमेशवर ने हमारे लिए पेड़ बनाए क्योंकि वह हमसे प्यार करता है।

-मक्का न होता तो क्या खाते?

-बहुत ज्यादा नहीं।

-परमेशवर ने हमारे लिए मक्का बनाया क्योंकि वह हमसे प्यार करता है।

-चौथे दिन परमेशवर ने क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:16-19

16-परमेशवर ने दो महान ज्योतियाँ बनाईं- दिन को नियंत्रित करने के लिए अधिक से अधिक प्रकाश और रात को नियंत्रित करने के लिए कम प्रकाश। उसने तारे भी बनाए।

17-परमेश्वर ने उन्हें आकाश के अन्तर में पृथ्वी पर उजियाला देने के लिथे खड़ा किया,

18-दिन और रात पर शासन करने के लिए, और प्रकाश को अंधेरे से अलग करने के लिए। और परमेशवर ने देखा कि यह अच्छा था।

19-और सांझ हुई, और भोर हुई-चौथा दिन।

-चौथे दिन परमेशवर ने सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बनाया।

-परमेशवर ने सूर्य, चंद्रमा और सितारों को कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सिर्फ बोलकर ही सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बनाया है।

-सूर्य, चांद और तारे आसमान से नीचे क्यों नहीं गिरते?

-क्योंकि परमेशवर ने उन्हें वहां आकाश में रखा है।

-क्योंकि परमेश्वर का कार्य सिद्ध है।

-पांचवें दिन परमेशवर ने क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:20-21 और 23

20-परमेश्वर ने कहा, जल जीवधारियों से भर जाए, और पक्षी पृथ्वी के ऊपर आकाश में उड़ें।

21-इस प्रकार परमेश्वर ने समुद्र के बड़े बड़े जीव, और सब जीवित, रेंगनेवाले जन्तुओं को, जिन से जल की धाराएं भरी हों, उनकी जाति के अनुसार, और सब पक्षियों को अपक्की जाति के अनुसार उत्पन्न किया। और परमेशवर ने देखा कि यह अच्छा था।

23-और सांझ हुई, और भोर हुई-पांचवां दिन।

-पांचवें दिन, परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को बनाया।

-परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को सिर्फ बोलकर बनाया है।

-क्या परमेशवर के लिए मछलियों और पक्षियों को बनाना मुश्किल था?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि परमेशवर सर्वशक्तिमान है।

-क्योंकि ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेशवर नहीं कर सकता।

-परमेशवर ने कितनी अलग-अलग मछलियों और पक्षियों की रचना की?

-इससे ज्यादा कोई गिन सकता है।

-परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को क्यों बनाया?

-क्या परमेशवर को जीवित रहने के लिए मछलियों और पक्षियों की आवश्यकता है?

-नहीं।

-परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को किसके लिए बनाया?

-परमेशवर ने उन्हें हम लोगों के लिए बनाया है।

-परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को क्यों बनाया?

-क्योंकि परमेशवर हमसे बहुत प्यार करते हैं।

-परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था उसके बारे में क्या कहा?

-परमेशवर ने कहा कि सब कुछ अच्छा था।

-परमेशवर सब कुछ परिपूर्ण बनाने में सक्षम क्यों थे?

-क्योंकि परमेशवर पूर्ण है।

-शुरुआत में परमेशवर ने जो कुछ भी बनाया वह सही था।

-शुरुआत में कांटे नहीं थे।

-शुरुआत में खरपतवार नहीं थे।

-शुरुआत में सभी मक्के की अच्छी पैदावार हुई।

-परमेशवर ने सब कुछ सही बनाया क्योंकि वह हमसे बहुत प्यार करता है।